RAN-2101000105020332

RAN-2101000105020332

T.Y.B.A. (Sem. V) Examination October - 2023

Hindi - XII : Hindi Gadhyvidhaye

Hindi Gadhy Prabhakar (C.C.)

સૂચના : / Instructions

(૧) **નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.**
Fill up strictly the details of ☛ signs on your answer book

Name of the Examination:

☛ **T.Y.B.A. (Sem. V)**

Name of the Subject :

☛ **Hindi - XII : Hindi Gadhyvidhaye Hindi Gadhy Prabhakar (C.C.)**

Subject Code No.: **2101000105020332**

Seat No.:

Student's Signature

प्र. 1 सही विकल्प पहचानकर उत्तर लिखिए। (10)

1) प्रतिवर्ष किस माह की 15 तारीख को जापान में मृत व्यक्तियों का श्राद्ध मनाया जाता है?

(अ) जुन (ब) जुलाई

(क) अगस्त (ड) सितंबर

2) कहानी का छोटा भाई बनकर प्रेमचंद जी ने कौन-सी कहानी लिखी है?

(अ) मेरे भैया (ब) भाई हो तो ऐसा

(क) बड़े भाई साहब (ड) छोटे सरदार

3) बुद्धदेव के बाद भारत के सबसे बड़े लोकनायक के रूप में किसने तुलसीदास की गणना की?

(अ) डॉ. ग्रियर्सन (ब) पंडित नेहरू

(क) महात्मा गांधी (ड) हजारी प्रसाद द्विवेदी

4) डॉ. रघुवीर सिंह ने अपने निबंध में किसकी भव्यता और सुंदरता का वर्णन किया है?

(अ) राजमहल (ब) ताजमहल

(क) रानी मुमताज (ड) राजा शाहजहां

5) भक्ति मार्ग में क्या नहीं होना चाहिए?

(अ) ढोंग (ब) आडंबर

(क) दिखावा (ड) यह तीनों

प्र. 2 'गद्य प्रभाकर' में संकलित गांधी जी की जीवनी को ध्यान में रखते हुए गांधी जी के महान कार्यों का आलेखन कीजिए। **(13)**

अथवा

प्र. 2 'गंगा' लेख के आधार पर गंगा नदी की विकास यात्रा का वर्णन कीजिए।

प्र. 3 साहित्यिक दृष्टि से 'कदंब के फूल' कहानी का मूल्यांकन कीजिए। **(13)**

अथवा

प्र. 3 बूढ़े के मुंह से निकली बूढ़े की मनोव्यथा का आलेखन सविस्तार कीजिए।

प्र. 4 (अ) टिप्पणी लिखिए। **(07)**

जीवन की तीन प्रधान बातें। **अथवा** जापान का परिचय।

(ब) ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। **(07)**

''मस्तिष्क की दृष्टि से अपने समय का सबसे अधिक कुशाग्र बुद्धि, सदाचार की दृष्टि से सबसे अधिक पवित्र और समस्त युग का सबसे अधिक धर्मात्मा मनुष्य उसे कहा जाता है।''

अथवा

''वह कवि थे, भक्त थे, पंडित थे, सुधारक थे, लोकनायक थे, और भविष्य के दृष्टा थे। इन रूपों में उनका कोई भी रूप किसी से घटकर नहीं था। यही कारण था कि उन्होंने सबओर से क्षमता की रक्षा करते हुए एक अद्‌वितीय काव्य की सृष्टि की, जो अब तक उत्तर भारत का मार्गदर्शक रहा।''